मेसर्स राजन कोल वॉशरी लिमिटेड,(यूनिट ऑफ भाटिया एनर्जी एण्ड मिनरल्स प्रा. लिमिटेड) द्वारा ग्राम–छोटे डूमरपाली, तहसील–खरसिया, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में प्रस्तावित कोल वॉशरी क्षमता – 0.96 एमटीपीए के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई दिनांक 29.08.2011 का कार्यवाही विवरण :–

मेसर्स राजन कोल वॉशरी लिमिटेड, (यूनिट ऑफ भाटिया एनर्जी एण्ड मिनरल्स प्रा. लिमिटेड) द्वारा ग्राम–छोटे डूमरपाली, तहसील–खरसिया, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में प्रस्तावित कोल वॉशरी क्षमता–0.96 एमटीपीए के पर्यावरणीय स्वीकृति हेतु लोक सुनवाई दिनांक 29.08.2011 स्थान–प्रस्तावित परियोजना स्थल के समीप का मैदान, ग्राम – छोटे डुमरपाली, तह.–खरसिया, जिला–रायगढ़ (छ.ग.) में अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी रायगढ, की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा प्रातः 11.00 बजे लोक सुनवाई की कार्यवाही प्रारंभ की गई। लोक सुनवाई में अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक, रायगढ़ अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व), खरसिया तथा क्षेत्रीय अधिकारी, छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल रायगढ उपस्थित थे। लोक सुनवाई में आसपास के ग्रामवासी तथा रायगढ़ के नागरिकों एवं स्वयं सेवी संस्थाओं ने भाग लिया। सर्वप्रथम क्षेत्रीय अधिकारी द्वारा ई.आई.ए. नोटिफिकेशन दिनांक 14.09.06 के प्रावधानो की जानकारी दी गयी।

लोक सुनवाई में लगभग 1100 लोगो का जन समुदाय एकत्रित हुआ। उपस्थिति पत्रक पर 45 लोगों ने हस्ताक्षर किये। मौखिक वक्तव्यों को लिपिबद्ध किया गया।

लोक सुनवाई,उद्योग प्रतिनिधि के द्वारा परियोजना के प्रस्तुतीकरण से प्रांरभ हुई। सर्वप्रथम उद्योग की ओर से कंपनी प्रतिनिधि श्री एस.पी. सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी, डॉ. डी.जी. गार्वे, पर्यावरण कन्सलटेंट द्वारा प्रस्तावित परियोजना के संबंध में संक्षिप्त जानकारी एवं उक्त परियोजना में किये जाने वाले प्रदूषण नियंत्रण के उपाय, जल की आवश्यकता, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, स्थानीय लोगों को रोजगार, सामुदायिक विकास कार्य आदि के संबंध में जानकारी दी गयी।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा उद्योग प्रतिनिधि को जन सुनवाई के दरम्यान उठायी गई आपत्तियों, टीकाटिप्पणी को नोट करने तथा उन्हें कार्यवाही के अंत में बिन्दुवार स्पष्ट जानकारी देने का निर्देश दिया गया। इसके उपरांत उपस्थित जन समुदाय से सुझाव, विचार, टीका–टिप्पणी आमंत्रित की गयी, जिस पर निम्नानुसार व्यक्तियों ने अपने विचार व्यक्त किये –

सर्वश्री –

1. श्री विजय कुमार सारथी, बड़े डुमरपाली – मैं उद्योग का समर्थन करता हूॅ। सबको विकास चाहिए, नौकरी चाहिए।
2. श्री बसंत डनसेना, ग्राम–बड़े डुमरपाली, – मैं उद्योग का समर्थन करता हूॅ। प्रदूषण न फैलाये , सबको नौकरी चाहिए एवं विकास होना चाहिए।
3. श्री ईश्वरी लाल साहू, ग्राम–बसनाझर– मैं उद्योग का समर्थन करता हूॅ।
4. श्री पुरूषोतम प्रसाद पटेल, ग्राम–नवागांव, – मैं उद्योग का समर्थन नहीं करता हूॅ। इससे कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ेगा। कोयले से प्रदूषण होगा। यहां के पानी से खेत खराब होगा। क्या यहॉ के आसपास के लोगों को रोजगार मिलेगा? बाहर से लोगों को लाकर रोजगार देंगे, जिससे यहॉ के शिक्षित लोग बेरोजगार हो जायेंगे। कोयले के परिवहन से धूल का कण उड़ेगा, प्रदूषण होगा

उसके रोकथाम के लिए क्या किया जायेगा ? पानी छोड़ा जायेगा उसके उचित भंडारण के लिए क्या व्यवस्था किया गया है?

5. श्री रघुवीर प्रधान, एकता परिषद, रायगढ़ – ई.आई.ए. नोटिफिकेशन के आधार पर 10 कि.मी. के रेडियस के अंदर ग्राम वालों को उसके उद्योग के दुष्प्रभाव के आधार पर बताना चाहिए। यहॉ के लोगों को किसी भी प्रकार की कोई जानकारी नहीं है। उद्योगों के बारे में लोगों को बताना अत्यंत आवश्यक है। विगत 20 सालों से यहां छोटी बड़ी फैक्ट्री चालू है। जिला – रायगढ़, कोरबा रायपुर में किसी भी प्रकार के उद्योगों की स्थापना की परमीशन नहीं है। अभी तक रायगढ़ जिले में किसी प्रकार का प्रदूषण मापक नहीं लगाये गये हैं। ई.आई.ए. जो बनाया है ये इस क्षेत्र में घूमा है या कट पेस्ट किया है। इस क्षेत्र में कपास एवं सोयाबीन उगा दिया गया है जो कि गलत है। स्थानीय लोगों को रोजगार की बात कही जा रही है। आज तक किसी को स्थानीय रोजगार नहीं मिला है। लोगों को बताया नहीं जाता है फैक्ट्री से लोगों को क्या फायदा होगा क्या घाटा होगा? लोगों को अभी तक कोई जानकारी नहीं है। उद्योग प्रबंधन को लोगों को साथ लेकर चलना होगा। नहीं तो प्रगति में बाधक होगा। ई.आई.ए. के अनुसार मुझे कुछ जानकारियां चाहिए। यहां जो प्रोजेक्ट लगाया गया है उसका फारेस्ट पर क्या प्रभाव पड़ेगा ? ईआईए में नहीं बताया गया है। यह क्षेत्र वनोपज पर आधारित है खेती में आधारित है। उसको क्या लाभ होगा क्या प्रभाव पड़ेगा नहीं बताया गया है ? कोल वॉशरी के लिए पानी किस सोर्स से लिया जायेगा। यह भी नहीं बताया गया है। जीरो डिस्चार्ज है उसकी तकनीक के बारे में नहीं बताया गया है। अधोसंरचना के बारे में क्या बजट है क्या विचार है ? के बारे में नहीं बताया गया है। रायगढ़ जिले में जो उद्योग आ रहे हैं इसके अलावा 240 उद्योग और आने वाले है जिसका एमओयू हो चुका है। मैं प्रबंधन को चेतावनी देता हूँ कि जो पानी आयेगा 240 उद्योग को पानी के लिए मारामारी होगा। प्रदूषण जो पहले से हो रहा है उसके बारे में भी लोगों को नहीं बताया गया है। पब्लिक, उद्योग एवं प्रशासन लोक सुनवाई के दिन ही मिलते है। बाकी दिनों में नहीं मिलते है।

6. श्री रमेश अग्रवाल, संवाददाता, दैनिक भास्कर, खरसिया, जिला–कोरबा – मुझे इस बात का दुख है जन सुनवाई ग्रामीण किसानों की दुख तकलीफों को जानने के लिए होती है। जनसुनवाई को व्यापार बना लिया गया है। मैं इस मंच के माध्यम से यह बताना चाहता हूँ कि इस क्षेत्र के लोगों को जानकारी होगी कि पूरे छ.ग. में औद्योगिकीकरण से स्थानीय लोगों को विकास करना चाहती है। मैं आपसे निवेदन करता हूँ कि जनसुनवाई को व्यापार बना दिया गया है। जो लोग बोलते हैं कि उद्योगों से विनाश होता है लोगों की कृषि भूमि प्रभावित होती है। मैंने अपनी जीवन में यह नहीं देखा है कि उद्योग से कभी विनाश होता है। जिंदल आज लोगों को चमन कर दिया गया वहीं जिंदल आज लोगों को जीने की परंपरा दी है। रायगढ़ जिले का इतना औद्योगिक विकास हुआ है। रायगढ़ जिला सबसे ऊंचा है। उद्योग लगने से क्षेत्र का विकास होता है लोगों का विकास होता है। उद्योग का विरोध करने से आपकी कहीं भी छबि नहीं बनती है। मैं क्षेत्र के लोगों को निवेदन करता हूँ कि उद्योग प्रबंधन से संपर्क करें, अपनी समस्याओं को बतायें और अपनी सहयोगात्मक रवैया अपनाना चाहिए। जनसुनवाई का स्वरूप अच्छा बने। उद्योग प्रबंधन को सहयोग प्रदान करने का कष्ट करें।

7. श्री नटवर मित्तल, नई दुनिया, खरसिया – मैं इस जनसुनवाई के माध्यम से, रमेश भाई ने जो कहा वह कटु सत्य है। जन सुनवाई के माध्यम से पैसा कमाने का रास्ता बना लिया है। कुल लोगों को डराकर धमकाकर विरोध करने हेतु मजबूर कराया जाता है। विस्तृत एवं नया आयाम लाये जो जनसुनवाई को व्यापार बनाना चाहते हैं उसके उपर कड़ी कार्यवाही की जा सके। जिंदल आने के बाद जिंदल अस्पताल के माध्यम से गरीब से गरीब व्यक्ति उपचार पाते हैं। मोनेट के माध्यम से अच्छी शिक्षा मिली है। यह क्षेत्र का विकास है। जो लोग विनाश की बातें कर विकास की संरचना को रोकते हैं उसके उपर कड़ी कार्यवाही करें। गांव का नया स्वरूप होगा सड़के बनेंगी, बिजली की व्यवस्था होगी, विकास होगा। बिजली आने से लोग अपने आपको सुरक्षित रखते हैं। आज हिंदुस्तान में बडे गर्व से इस क्षेत्र का नाम लिया जाता है। उद्योग से लोगों का विकास होता है, विस्तार होता है, प्रगति है। उद्योग लगने से विनाश नहीं होता है विकास होता है। इस जनसुनवाई के बाद ऐसी पहल हो कि जनसुनवाई के माध्यम से जो व्यवसाय कर रहे हैं उसके खिलाफ कार्यवाही हो सके। उद्योग लगेगा विकास होगा। अपनी आने वाली पीढी को अच्छी शिक्षा मिलेगी, विकास होगा। विस्तृत रूप से पेड़ पौधे लगे। हमारे इस क्षेत्र में पर्यावरण प्रदूषण न हो।
8. श्री संजय कपूर, पत्रकार, पूर्वांचल छ.ग. – उद्योग लगने से विनाश नहीं विकास होगा। उद्योग लगने से बिजली, सड़क एवं पानी की सुविधा होगा।
9. श्री चक्रधर डनसेना, बड़े डुमरपाली – उद्योग खुलने से रोजगार मिलेगा, नल जल योजना की सुविधा होगा। कंपनी से अनेक फायदा होगा। मैं अपना समर्थन देता हूँ।
10. श्री शरद कुमार पटेल, पामगढ़ – मैं कोलवॉशरी का समर्थन करता हूँ। जब तक गांव का औद्योगिक विकास नहीं होगा लोगों का विकास नहीं होगा।
11. पून्ना बाई, बड़े डुमरपाली – काम मिलना चाहिए। उद्योग का समर्थन है।
12. शारदा डनसेना, बड़े डुमरपाली – रोजगार मिलना चाहिए। उद्योग का समर्थन करती हूँ।
13. उर्मिला, डुमरपाली – काम नहीं है। काम चाहिए।
14. राजकुमारी, बडे डुमरपाली – काम बुता चाहिए।
15. कौशिल्या , बड़े डुमरपाली – हम गरीब हैं काम बुता चाहिए।
16. देवकी बाई, बड़े डुमरपाली – काम बुता चाहिए।
17. मोंगरा बाई, बड़े डुमरपाली – उद्योग का समर्थन है।
18. नंदिनी बाई, बड़े डुमरपाली – रोजी मजदूरी चाहिए।
19. गीताबाई चौहान, मितानीन, बड़े डुमरपाली – पढ़े लिखे लोगों को नौकरी दिया जाये। नहीं पढ़े लिखे को मजदूरी चाहिए।
20. विमला बाई सारथी, बडे डुमरपाली– गरीब हूँ। आसपास के सभी लोगों को नौकरी चाहिए। बाहर के आदमी को यहां नहीं रखना चाहिए।
21. सावित्री बाई, बड़े डुमरपाली – काम बुता मिलना चाहिए। कारखाना लगही।
22. संतोषी बाई, बड़े डुमरपाली – रोजी मजदूरी चाहिए।
23. श्री नेहरू लकड़ा, पंचायत प्रतिनिधि, रायगढ़ – उद्योग ही देश की प्रगति का एकमात्र आधार है। हमारे धरती के गर्भ में जो भी मिनरल्स है उसका दोहन ही हमारा विकास है। विरोध में बोलने वाले का भी स्वागत करता हूँ। उद्योग प्रबंधन के द्वारा जो जानकारी दी गई है उनसे संपर्क कर उसके बारे में जान सकते हैं। उद्योग लगने के

विरोध में कृपया न बोले। उद्योग प्रबंधन से मैं निवेदन करता हूँ कि जो नियम बनाया गया है उसका पूर्ण पालन करें। उद्योग प्रबंधन से मैं निवेदन करता हूँ कि उद्योग जो बताया है उसका पालन करें। अधिक से अधिक लोगों को लाभ पहुंचाये।

24. श्री दुर्गा प्रसाद दुबे, छोटे डुमरपाली – कोल वॉशरी से हमे बहुत लाभ है। रोजगार मिलेगा। समर्थन करता हूँ।
25. योगेन्द्र कुमार डनसेना, बड़े डुमरपाली – समर्थन । यहां के शिक्षित बेरोजगार को योग्यतानुसार नौकरी दें।
26. बृजकुमार चौहान – पामगढ़ – समर्थन ।
27. चंद्रकिशोर डनसेना – छोटे डुमरपाली – समर्थन ।
28. सोनकुंवर राठिया – बड़े डुमरपाली – रोजगार चाहिए। समर्थन।
29. चंद्रकांती, बड़े डुमरपाली – रोजी मजदूरी चाहिए।
30. वृंदा बाई, बड़े डुमरपाली – रोजी मजदूरी चाहिए। समर्थन।
31. गीता, बड़े डुमरपाली – समर्थन।
32. मीरा बाई, बड़े डुमरपाली – रोजगार चाहिए।
33. रामायण बाई सारथी, बड़े डुमरपाली – रोजगार चाहिए।
34. सावित्री, बड़े डुमरपाली – रोजी चाहिए।
35. गुरवारी, बड़े डुमरपाली – रोजी चाकरी मिले।
36. निंद्रा बाई, बड़े डुमरपाली – रोजी मजदूरी चाहिए।
37. जानकी, बड़े डुमरपाली – रोजी मजदूरी मिले।
38. यशोदा बाई, बड़े डुमरपाली – रोजी मजदूरी चाहिए। सबको ले लिये तो हम क्या करेंगे?
39. गौरीशंकर पटेल, पामगढ़ – राजमिस्त्री हैं, काम चाहिए। समर्थन।
40. दीनदयाल राठिया, पामगढ़ – काम चाहिए । 10 कि.मी. के अंदर बिजली चाहिए। रोजी मजदूरी चाहिए।
41. गनपति डनसेना, बड़े डुमरपाली – उद्योग का समर्थन है। बेरोजगार एवं शिक्षित को अपने हिसाब से काम दें।
42. योगेश कुमार रात्रे, छोटे डुमरपाली– समर्थन।
43. उत्तम कुमार पटेल, बड़े डुमरपाली – समर्थन।
44. प्रेम शंकर पटेल, पामगढ़ – समर्थन।
45. मोहन सारथी, बड़े डुमरपाली – समर्थन। सभी लोगों को रोजगार मिलना चाहिए।
46. चैतराम डनसेना, बड़े डुमरपाली – मैं कंपनी का समर्थन करता हूँ।
47. कार्तिक लाल राणा , बड़े डुमरपाली – कंपनी का समर्थन ।
48. रामो, रजघटा – काम चाहिए।
49. भरत कुमार पटेल, पामगढ़ – काम चाहिए। समर्थन।
50. अमित कुमार डनसेना, बड़े डुमरपाली – कंपनी से सहमत हूँ। आसपास के लोगों को काम मिलना चाहिए।
51. अन्नू कुमार निषाद, बड़े डुमरपाली – समर्थन।
52. मोहन कुमार चौहान, बड़े डुमरपाली – आसपास के प्रत्येक घर से एक आदमी को रौकरी मिलना चाहिए।
53. अमी लाल राठिया, बोतल्दा – समर्थन।
54. सुरेश सिदार, बोतल्दा – समर्थन।

55. कन्हैया लाल, बड़े डुमरपाली – रोजी मजदूरी चाहिए।
56. नरेश्वर, बोतल्दा – समर्थन
57. हेमसागर श्रीवास , बोतल्दा – समर्थन।
58. छुन्ना लाल सिदार, बोतल्दा – समर्थन।
59. गोवर्धन राठिया, बोतल्दा – समर्थन।
60. मनोज महंत, घरघोड़ी – सभी बेरोजगार को रोजगार मिले तभी कंपनी का समर्थन करता हूॅ।
61. सम्मे लाल बंजारे, छोटे डुमरपाली – कंपनी का समर्थन। पानी की समस्या है। हमारे यहां बोर बिगड़ा हुआ है। हमे नौकरी दिया जाये।
62. लक्ष्मी कांत प्यारेलाल, बड़े डुमरपाली – आसपास के गांवों के लोगों को काम दिया जाये। कंपनी में काम करना चाहता हूं। झालमूड़ी बेच बेच के थक गया हूॅ।
63. शोभा राम राणा, बड़े डुमरपाली – समर्थन।
64. उमेश, बड़े डुमरपाली – हमे रोजगार मिले।
65. फुलसाय, पामगढ़ – गरीब दुखी सभी को काम बुता चाहिए।
66. गुलाब दास, पामगढ़ – इंदिरा आवास के निवासरत् लोगों के प्रत्येक परिवार के लोगों को रोजगार मिलना चाहिए। व्यवस्था की कमी देखी गई।
67. पवन कुमार चौहान, पामगढ़ – कोल वॉशरी से निवेदन है कि मुझे नौकरी दिया जाये।
68. इतवारी दास महंत – पामगढ़ – गरीबों को रोजगार मिले। समर्थन।
69. सुनील दास महंत, पामगढ़ – समर्थन।
70. गौरी शंकर खड़िया, पामगढ़ – समर्थन।
71. फागूराम छोटे डुमरपाली – समर्थन।
72. राजेश कुमार लहरे, ग्राम– छोटे डुमरपाली – समर्थन।
73. रामसिंग नागवंशी, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
74. दरबार कुमार डनसेना, छोटे डुमरपाली – सभी भाईयों से निवेदन करता हूॅ कि अधिक से अधिक समर्थन करें।
75. गोपी कुमार, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
76. आत्मा राम भारद्वाज, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
77. शिवनारायण भारद्वाज, छोटे डुमरपाली – मैं कंपनी का विरोध करता हूॅ।
78. राजकुमार लहरे, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
79. नानीराव भारद्वाज, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
80. पूनम साहू , बोतल्दा –समर्थन।
81. विजय कुमार राठिया , बोतल्दा – समर्थन।
82. हलधर, बोतल्दा – समर्थन।
83. सुजीत कुमार राठिया, बड़े डुमरपाली – समर्थन।
84. संजय कुमार राठिया, बड़े डुमरपाली – समर्थन।
85. तारा सिंह राठिया, सरपंच, घरघोड़ी, – समर्थन।
86. ललित सिंह ठाकुर, घरघोड़ी– समर्थन।
87. बाबूलाल राठिया, बड़े डुमरपाली – समर्थन।
88. छबिनाथ डनसेना, बड़े डुमरपाली – समर्थन।
89. आनंद राम मालाकार, बड़े डुमरपाली – समर्थन।

90. राम शर्मा, पूर्व युथ कांग्रेस अध्यक्ष, खरसिया – गांव की मूलभूत समस्याओं की ओर ध्यान दें एवं उन्हें सहयोग प्रदान करें। गांव से जुड़ने से गांव का विकास होगा। कंपनी का समर्थन करता हूॅ।

91. भरत राठौर, खरसिया – क्षेत्र के विकास के लिए कंपनी का समर्थन करता हूं।

92. डालिस पाण्डेय, खरसिया– समर्थन।

93. विपिन पटेल, भिमानी – समर्थन।

94. धमेंद्र चौहान, महामंत्री खरसिया विधानसभा क्षेत्र – उद्योग क्षेत्र में चहोमुखी विकास के लिए मैं समर्थन करता हॅं।

95. कमलेश गबेल, भगौड़ी – समर्थन।

96. महेंद्र पटेल, भिमानी – समर्थन।

97. विराट कुमार डनसेना, सरपंच– कोसमनारा – छोटे डुमरपाली का मैं कृषक था कंपनी को जमीन दिया हूॅ। उद्योग का समर्थन है।

98. बलदेव राठौर, यूथ कांग्रेस उपाध्यक्ष, खरसिया – समर्थन।

99. मुकेश कुमार श्रीवास, छोटे डुमरपाली – समर्थन।

100. देवकुमार डनसेना, बड़े डुमरपाली – समर्थन।

101. प्रेमशंकर राठिया, बड़े डुमरपाली – समर्थन।

102. संकीर्तन कुमार श्रीवास, बड़े डुमरपाली – समर्थन।

103. विनोद कुमार भारद्वाज, बड़े डुमरपाली – समर्थन।

104. रत्थू लाल चौहान, छोटे डुमरपाली – समर्थन।

105. अशोक कुमार डनसेना, बड़े डुमरपाली – समर्थन।

106. तारेंद्र कुमार डनसेना , बड़े डुमरपाली – कंपनी का समर्थन और विरोध दोनों हो रहा है। समर्थन करने वालों को लग रहा हैं कि कंपनी से फायदा होगा। और जो नहीं कर रहे हैं उसे फायदा नहीं होगा। कंपनी से निवेदन करना चाहूंगा कि ग्रामीण जनता के विश्वास को धोखा न दे। नहीं तो लोग कंपनी के खिलाफ विरोध करना पड़ेगा। इस कोल वॉशरी के ईआईए रिपोर्ट में दर्शाया गया है कि प्रतिदिन 116 ट्रकों का आवागमन होगा। 116 ट्रकों के आवागमन से सड़क का हाल खराब हो जायेगा। सड़क मजबूती से बनाया जाये। राहगीरों को परेशानी न हो। नवागांव किनारे के स्कूलों के पास की सड़क एसईसीएल के गाड़ियों के आवागमन से लोंगों एवं बच्चों का क्या हाल होगा ? 65 लोगों को रोजगार दिया जायेगा। समर्थन करने वाले उम्मीद रख रहे हैं कि हमे रोजगार मिलेगा काम मिलेगा सोचकर समर्थन कर रहे हैं। समर्थन करने वाले जनता को रोजगार दिया जाये। कंपनी ज्यादा से ज्यादा रोजगार का अवसर दें। कोल वॉशरी से प्रतिदिन कितनी धुंए कितना प्रदूषण फैलेगा कंपनी द्वारा दर्शाया गया है। कोल वॉशरी लगने से पहले हरित क्रांति का विवरण दें। पानी को भूजल से निकालकर उपयोग किया जायेगा। भूजल से न निकालकर सीधे मांड नदी से पानी लिया जाये, नहीं तो आने वाले समय में पानी की समस्या हो जायेगी। एक साल से जमीन की खरीदी बिक्री हो रही थी। कंपनी बीच में जमीन खरीदने के लिए दलाल क्यों रखते हैं ? कंपनी को जमीन खरीदना है तो किसानों के पास आयें और उनसे बात करें। कंपनी प्रबंधन किसानों से बात करें, बात सुने और जमीन खरीदें। खरसिया के कुछ दलालों के द्वारा आदिवासी भाईयों की जमीनों को कंपनी 8, 10 , 12 के रेट से ले रही है। जबकि एक लाख, 80 हजार, 90 हजार में खरीदी जा रही है। जमीन का रेट कितना निर्धारित की गई थी। जमीन दलालों से

सहयोग नहीं लिया जाये। डायरेक्ट किसानों से बात कर जमीन खरीदें। चिकित्सा, शिक्षा की समुचित व्यवस्था करें।

107. रामकिशन आदित्य, उपाध्यक्ष, नगर पालिका खरसिया – क्षेत्र के विकास को ध्यान में रखते हुए क्षेत्र में जितने भी बेरोजगार भाईयों को ध्यान में रखते हुए कंपनी को चलायें। कंपनी का समर्थन करता हूँ।
108. चैतन कुमार डनसेना, छोटे डुमरपाली – कंपनी का विरोध करता हूं। बहुत से गांव के लोग कंपनी का समर्थन कर रहें है। कंपनी के खुलने से सड़के खराब हो रही है। मोटर साईकल एवं यात्रियों को परेशानी हो रही है। इन सब से हम लोग परेशान हो रहे हैं। सभी लोग बोल रहे हैं कि हमे रोजगार चाहिए। लेकिन उन सभी लोगों को नहीं मिलेगा। कंपनी यह बोल रही है कि केवल 65 कुशल लोगों को रोजगार दिया जायेगा।
109. प्रेमलाल पटेल, पामगढ़ – विरोध।
110. आत्माराम, बड़े डुमरपाली – गरीब को कोई नहीं पहचानता। सभी लोग स्वार्थी हैं। समर्थन।
111. बरत राम डनसेना, बड़े डुमरपाली – समर्थन।
112. चैतराम नागवंशी, छोटे डुमरपाली – समर्थन। इस क्षेत्र की आवश्यकताओं एवं समस्याओं को आगाह करना चाहता हूं। स्थानीय व्यक्तियों को ही रोजगार दिया जाये। पहली प्राथमिकता गांव के लोगों को ही दिया जाये। स्थानीय व्यक्ति के लोगों को पलायन की व्यवस्था नहीं मिले उन्हें रोजगार दिया जाये। प्रभावित ग्रामों को पुनर्वास की व्यवस्था करें। गली की सड़कों में पानी की निकासी नहीं है। पानी की निकासी व्यवस्था की जाये। बड़े एवं छोटे डुमरपाली में हाईस्कूल की व्यवस्था की जाये। प्रदूषण एवं ध्वनि नियंत्रण यंत्र लगाया जाये।
113. हरिहर नायक, रायगढ़ – समर्थन । क्षेत्रीय विकास के लिए शिक्षा, बिजली एवं पानी की उचित व्यवस्था हो। अच्छी सड़कों का निर्माण हो। अच्छी मशीनें लगे।
114. वासुदेव पटेल, रायगढ़ – समर्थन। सड़क बनाया जाये। शिक्षा पर भी ध्यान दिया जाये। पानी की व्यवस्था की जाये।
115. मूलचंद मिश्रा, छोटे डुमरपाली – कंपनी का स्वागत है। गांव के बेरोजगार लोग दूसरे जगह जाते हैं कंपनी से लोगों को रोजगार मिलेगा।
116. सोनसाय राठिया, बड़े डुमरपाली – समर्थन।
117. आनंद कुमार मांझी, आड़पथरा – समर्थन।
118. भगवानो प्रसाद डनसेना, कोसमनारा – समर्थन। आशा करते हैं हमे नौकरी मिले।
119. महेश सिदार, अमलीभवना, रायगढ़ – समर्थन।
120. पूरन डनसेना, कोसमनारा – समर्थन।
121. बसंत कुमार, आड़पथरा – जमीन जायदाद नहीं गया है। काम चाहिए। समर्थन।
122. वेदप्रकाश मांझी, आड़पथरा – समर्थन। नवागांव–पामगढ़ की सड़कों की मरम्मत करें। मजदूरों को काम मिले। बेरोजगारों को रोजगार मिले। ड्राईवरों को काम मिले। जो काम जानता है उसे उस प्रकार का काम मिले। गरीब जनता को काम मिले। ताकि हमारी गरीबी दूर हो सके।
123. गोरेलाल मांझी, आड़पथरा – समर्थन।
124. चंद्रालाल राठिया, आड़पथरा – ड्राईवर हूँ। कंपनी से काम चाहिए। समर्थन।
125. रमेश कुमार, आड़पथरा– समर्थन।

126. जीवन लाल चौहान, छोटे डुमरपाली– स्वागत है, समर्थन है।
127. धनेश्वर कुमार, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
128. मोहन लाल, छोटे डूमरपाली – समर्थन।
129. फुलेश्वर प्रसाद नागवंशी, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
130. रोहित कुमार दर्शन, पंच, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
131. हरिशंकर यादव, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
132. ओमकार नागवंशी , छोटे डुमरपाली – समर्थन। क्षेत्र के विकास में सहयोग प्रदान करें।
133. अमृतलाल पटेल, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
134. गुड्डू कुमार डनसेना, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
135. हरिशंकर डनसेना, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
136. भुनेश्वर प्रसाद सिदार, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
137. राकेश कुमार आदिले, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
138. श्याम कुमार भारद्वाज, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
139. यशवंत कुमार भारद्वाज , छोटे डुमरपाली – समर्थन।
140. गंगाधर नागवंशी, छोटे डुमरपाली – कंपनी का विरोध कर रहा हूं। इससे कंपनी के मालिक को फायदा होगा। गाड़ी चलने से बच्चों को नुकसान होगा।
141. योगेन्द्र कुमार लहरे, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
142. सुनाउ प्रधान, बड़े डुमरपाली – समर्थन।
143. मनोहर लाल सिदार, छोटे डुमरपाली – समर्थन। इस कंपनी को खोलने से पूर्व पर्यावरण प्रदूषण, जल प्रदूषण न होने के लिए व्यवस्था करें। इतनी गाड़ी चल रही है कि रोड की स्थिति गंभीर है। रोड की स्थिति में सुधार करेंगे।
144. शशि चौहान, बड़े डुमरपाली – समर्थन।
145. परदेशी कुमार राठिया, बड़े डुमरपाली– समर्थन।
146. प्रहलाद पटेल, पामगढ़ – क्षेत्र के विकास के लिए काम करें। समर्थन।
147. जयराम पटेल, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
148. ईश्वर प्रसाद चौहान, बडे डुमरपाली – समर्थन।
149. तुलसी राम मांझी, आड़पथरा,– समर्थन।
150. पन्ना लाल, आड़पथरा – समर्थन।
151. प्यारे लाल चौहान, आड़पथरा– स्वागत है, समर्थन है। बेरोजगार व्यक्ति को आपके कंपनी में रोजगार दिलाने की कृपा करेंगे।
152. ओमप्रकाश डनसेना, आड़पथरा – समर्थन।
153. चमनलाल, आड़पथरा – समर्थन।
154. लक्ष्मी भारद्वाज, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
155. फुलटोरी बंजारे, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
156. कौशिल्या बाई, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
157. गंगीबाई डनसेना, छोटे डुमरपाली – विरोध।
158. राजेश्वरी दुबे, छोटे डुमरपाली – विरोध।
159. कौशिल्या बाई, छोटे डुमरपाली – विरोध।
160. शौकी बाई, छोटे डुमरपाली – विरोध।
161. राधिका बाई, छोटे डुमरपाली – समर्थन।

162. बुधयारिन बाई, छोटे डुमरपाली – विरोध।
163. सुमीत कुंवर, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
164. रोपाबाई, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
165. सुप्रा बाई, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
166. उत्तरा कुमार राठिया, आड़पथरा – समर्थन।
167. बुधुराम, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
168. कमलेश कुमार मांझी, आड़पथरा – समर्थन।
169. सुभाष कुमार राठिया, आड़पथरा– समर्थन।
170. दिलीप कुमार भारद्वाज, छोटे डुमरपाली – किसानों को 30 लाख रू. का मुआवजा दिया जाये। समर्थन।
171. देवेन्द्र कुमार डनसेना, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
172. ललित कुमार पटेल, चपले – कोल वॉशरी के विरोध करने के सहमत में पुरजोर से असहमति एवं विरोध करता हूं। जिस जगह में प्लांट लग रहा है वह धान उत्पादन क्षेत्र है। उद्योग से शुद्ध वातावारण खराब हो जायेगा। भूजल स्तर नीचे चला जायेगा। प्लांट स्थापित होने से उपजाऊ भूमि प्रभावित होगी। जिस स्थान पर प्लांट स्थापित हो रहा है वहीं से 2 कि.मी. की दूरी पर बालिका स्कूल है जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रभाव होगा। प्लांट लगने के लिए भूजल एवं मांड नदी से पानी ली जायेगी। गर्मी के समय में मांड नदी ऐसी ही सूखी रहती है। प्लांट लगने से इस क्षेत्र में पानी की समस्या बड़ जायेगी। प्लांट लगने का हम विरोध करते हैं।
173. चुन्नीलाल भारद्वाज, छोटे डुमरपाली – विरोध।
174. मालिक राम भारद्वाज, छोटे डुमरपाली – विरोध। किसान लोग भीख मांगने के लिए रह जायेंगे।
175. दिगंबर कुमार पटेल, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
176. दउआ मांझी , छोटे डुमरपाली – समर्थन।
177. लालमणी डनसेना, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
178. रूपेंद्र डनसेना, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
179. चंद्रिका प्रसाद पटेल, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
180. सोहनलाल, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
181. तेजबहादुर मिश्रा, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
182. लाला नागवंशी, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
183. पीतांबर नागवंशी, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
184. भोला रात्रे, छोटे डुमरपाली – मेरा जमीन नहीं है। अवैध प्लाट में रह रहा हूँ। कंपनी आयेगा तो मुझे क्या मिलेगा? रहने के लिए घर एवं रोजगार चाहिए।
185. देवीनाथ पटेल, चपले – सख्त विरोध। किसान के पास खेती के लिए जमीन नहीं रहेगा तो वह क्या करेगा?
186. रविशंकर पटेल, खैरपाली – कुछ बातों के लिए मैं समर्थन करता हूँ । कुछ बातों के लिए विरोध करता हूं। क्या यहां कपनी लगने से आसपास के क्षेत्र में धान उत्पन्न होगा ? कई गांव का शुद्ध वातावरण अशुद्ध हो जायेगा। यह क्षेत्र प्लांट स्थापित होने से भूजल स्तर नीचे चला जायेगा। गर्मी के दिनों में पानी की समस्या आयेगी। प्लांट स्थापित होने से उपजाऊ भूमि एवं फसल प्रदूषण से खराब हो जायेगी। जिस स्थान पर प्लांट स्थापित हो रहा है इस क्षेत्र की कन्या आश्रम विद्यालय है जिसके स्वास्थ्य

खराब हो जायेगा। अन्य राज्यों के कर्मचारियों के आने से इस क्षेत्र में भय उत्पन्न होगा। भारी वाहनों के आवागमन से इस क्षेत्र की जनता दुर्घटना की शिकार होगा। प्लांट स्थापना होने वन क्षेत्र खराब होगा। उक्त प्लांट से केवल 65 व्यक्तियों को ही रोजगार मिलेगा। 65000 व्यक्तियों को धुंए एवं डस्ट मिलेगा। प्लांट के लिए पानी की व्यवस्था भूजल एवं मांड नदी से लिया जायेगा। इस क्षेत्र को जल संकट गहरा जायेगा। इस क्षेत्र में वन्य जीव जंतुओं के द्वारा भयमुक्त विचरण करने का पंसदीदा क्षेत्र है। प्लांट लगने से ये प्रभावित होगी, जिससे ये जीव जंतु विलुप्त हो जायेगी। प्लांट स्थापना की स्वीकृति हेतु ग्राम सभा द्वारा पारित करना चाहिए।

187. मदनलाल भारद्वाज, छोटे डुमरपाली – समर्थन। इस क्षेत्र में बिजली, पानी, रोड पर विशेष ध्यान दें। वृक्षारोपण करें। प्रभावित गांवों का निरीक्षण करें।
188. किरीत राम नागवंशी, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
189. उत्तम लाल डनसेना, छोटे डुमरपाली – जमीन का मुआवजा सरकारी रेट से दिलाया जाये।
190. दिनेश कुमार चौहान, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
191. गंगाराम डनसेना, छोटे डुमरपाली – कंपनी का समर्थन करता हूं। हमारे बच्चों को योग्यतानुसार रोजगार देने की कृपा करें।
192. बसंत लाल, रजघट – समर्थन।
193. हरिप्रसाद, पामगढ़ – समर्थन।
194. चिन्नीलाल पटेल, रजघटा – विरोध।
195. परमेश्वर प्रसाद बंजारे, कुनकुनी – समर्थन।
196. मनोज कुमार राठिया – कुनकुनी – समर्थन।
197. शिवा कुमार, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
198. नीलकमल, आड़पथरा – समर्थन।
199. किशन, कुनकुनी – समर्थन।
200. टेकलाल, डनसेना, बड़े डुमरपाली – समर्थन।
201. गौतम कुमार, कुनकुनी – विरोध।
202. दिनेश कुमार नवरंग, कुनकुनी – विरोध।
203. पूनीराम ओगरे, कुनकुनी, – विरोध।
204. किशन लाल, छोटे डुमरपाली – विरोध। बाहर के लोगों को रोजगार दिया जाता है स्थानीय लोगों को नहीं दिया जाता। रायगढ़ जिले में जितनी भी कंपनी आई है वहॉ प्रदूषण के अलावा कुछ भी नहीं है।
205. मनहरण लाल पटेल, पामगढ़ – कंपनी का विरोध करता हूं। कंपनी से क्षेत्रवासियों को भारी कठिनाईयों का सामना करना पड़ेगा। इस कंपनी के धूल से पामगढ़ बाजार प्रभावित होगी। इस कंपनी से हाई स्कूल में पढ़ने वाले छात्र–छात्राएं प्रभावित होंगे। कंपनी के भारी वाहनों से आम आदमी का चलना मुश्किल हो जायेगा। कोल वाशरी से पास से नाला बहता है जिससे लोग अपना निस्तारी कार्य करते हैं। उद्योग लगने से नाला प्रभावित होगा।
206. हेमंत कुमार दुबे, पामगढ़ – विरोध। कंपनी से कई लोग प्रभावित हो रहे हैं।
207. पूरनलाल पटेल, पामगढ़ – विरोध।
208. रामकुमार पटेल, पामगढ़ – विरोध।
209. दिनेश कुमार पटेल, पामगढ़ – विरोध

210. विजय कुमार पटेल, पामगढ़ – विरोध।
211. संजय कुमार पटेल, पामगढ़ – विरोध
212. श्याम कुमार पटेल, पामगढ – विरोध
213. वेदप्रकाश पटेल, पामगढ़ – विरोध।
214. राजेश कुमार पटेल, पामगढ़ – विरोध
215. छबिलाल पटेल, पामगढ़ – विरोध
216. दिलेश्वर पटेल, छोटे डुमरपाली – विरोध। हमारी आने वाली पीढ़ी इससे प्रभावित होगी। जमीन का पेमेंट सही होना चाहिए, सही पगार होना चाहिए, सही रजिस्ट्री होना चाहिए।
217. श्यामाचरण डनसेना, बड़े डुमरपाली – सशर्त समर्थन। आसपास के गांवों में विकास कार्य अनिवार्य रूप से होना चाहिए। समाजसेवी संगठन इस कंपनी को करना चाहिए। कंपनी में रोजगार की जो व्यवस्था बनाई गई है उससे बदलकर 80 प्रतिशत रोजगार इसी क्षेत्र के लोगों देना चाहिए।
218. भूषण प्रसाद पटेल, पामगढ़ – विरोध।
219. टेककुमार राठिया, पामगढ़ – विरोध। इस क्षेत्र के कृषण बंधुगण सुव्यवस्थित रूप से सुखी जीवनयापन कर रहे है। कंपनी से वातावरण प्रभावित होगा, जिससे आम जनता एवं पशुओं के स्वास्थ्य पर प्रभाव पड़ेगा।
220. राजेन्द्र कुमार सारथी, बड़े डुमरपाली – विरोध।
221. गोकुल प्रसाद पटेल, चपले – सख्त विरोध।
222. खेमलाल पटेल, चपले – विरोध।
223. जीवन लाल पटेल, चपले – विरोध।
224. चूणामणी यादव, रायगढ़ – समर्थन। कंपनी से अनुरोध है कि बाहरी आदमी को न रखे गांव के बरोजगारों को ही नौकरी देवें।
225. दुर्गाप्रसाद, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
226. बोधराम नागवंशी, छोटे डुमरपाली – समर्थन। उद्योग खुलने से कंपनी पूर्ण रूप से जिम्मेदार रहेगा। कोई प्रकार की घटना, दुघर्टना के लिए एम्बुलेंस तैयार रखेंगे। हर सप्ताह आकर निरीक्षण करेंगे एवं जानकारी लेकर उसका समाधान करेंगे। पेड़ पौधा लगाया जाये। सरकारी भूमि पर वृक्षारोपण कंपनी की ओर से लगाया जाये। गांव की जमीन को अच्छी रेट में खरीदा जाये।
227. लच्छी राम भारद्वाज, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
228. छोटेलाल डनसेना, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
229. दिलेश्वर भारद्वाज, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
230. परमेश्वर डनसेना, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
231. कौशल दुबे, छोटे डुमरपाली – समर्थन। कंपनी प्रभारियों से निवेदन है कि हमारे आदिवासी भाईयों के मांग को पूरा करें।
232. खिलावन सिदार, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
233. जनपदलाल खड़िया, पंच, रजघटा – विरोध। खेती करके हम खुशी से जीवन जी रहे हैं।
234. संतोष कुमार पटेल, रजघटा – विरोध।
235. अशोक कुमार पटेल, रजघटा – विरोध।
236. रमेश भारद्वाज, चपले – समर्थन।

237. मनोरंजन निराला, कुनकुनी – समर्थन।
238. धनंजय, चपले – समर्थन।
239. राजेश कुमार, चपले – समर्थन।
240. नरेश कुमार पटेल, खैरपाली – समर्थन।
241. चेतन कुमार चौरा, छोटे डुमरपाली – 400–500 मकान का पैसा दे। समर्थन।
242. उदेश कुमार चौहान, चपले – समर्थन।
243. कलपेश पटेल, रायगढ़ – समर्थन। छ.ग. आज पूरे देश में औद्योगिक विकास के लिए पहचाना जा रहा है। उद्योगों के कारण ही जमीन की कीमत बढ़ी है। आज हर घर घर में विकास दिख रहा है। काम की कहीं कमी नहीं है। आदमी की कमी है। यहां की माईनिंग संपदा उद्योग बैठने से ही काम में आयेगी। विकास बिना तकलीफ के नहीं आता है। थोड़ी बहुत तकलीफ सहनी पड़ेगा। ये कोयले की धुलाई का संयंत्र है। यह बहुत बड़ा उद्योग नहीं है जिससे प्रदूषण फैलेगा। जनता खुले मन से उद्योग का समर्थन करें। उद्योग से डरे नहीं है। आज उर्जा की जरूरत है देश को । उर्जा कोयले से ही आयेगी।
244. देवचरण राठिया, नवागांव – विरोध।
245. बलभद्र राठिया, नवागांव – विरोध। स्थानीय लोगों को रोजगार नहीं मिलता।
246. पूनम चंद अग्रवाल, रायगढ़ – कोई भी क्षेत्र के विकास में उद्योगों का हाथ रहता है। विरोध करने से हमारे में सुधार आता है। उद्योग खुलने से किसी प्रकार का प्रदूषण नहीं होगा। उद्योग से क्षेत्र का विकास होगा।
247. रामनारायण भारद्वाज, छोटे डुमरपाली – समर्थन। जो कंपनी यहां लगने जा रही है वह हमारे गांव की समस्याओं को नजरअंदाज न करें। इस कंपनी से किसी भी प्रकार का प्रदूषण होता है तो हम अन्ना हजारे की तरह कंपनी का विरोध करेंगे।
248. किरन बाई, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
249. लक्ष्मीन बाई , छोटे डुमरपाली – समर्थन।
250. सहानू पटेल, नवागांव– विरोध। रोजगार नहीं मिलता। कंपनी वाला धिक्कार देता है।
251. प्रेमलाल राठिया, नवागांव – विरोध।
252. भागीरथी बंजारे, कुनकुनी – छ.ग. धान का कटोरा था।
253. श्याम पटेल, पामगढ़ – समर्थन।
254. कन्हैया लाल पटेल, सेंद्रीपाली – समर्थन। कंपनी खुलने से दुर्घटना से बच जायें।
255. रामकुमार पटेल, पामगढ़ – समर्थन।
256. प्रेमलाल पटेल, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
257. देवप्रसाद भारद्वाज, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
258. धरमलाल चंदन, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
259. राजकुमार पटेल, पामगढ़ – समर्थन।
260. रामेश्वर कुमार राठौर, पत्रकार हरिभूमि, खरसिया – समर्थन। गांव का विकास होगा, बिजली, पानी एवं रोड बनेगा एवं कई तरह के फायदा होगा। सभी को कुछ न कुछ फायदा होगा।
261. भवानी यादव, खरसिया – समर्थन। कंपनी खुलने से सड़क, बिजली, शिक्षा एवं स्वास्थ्य का विकास होगा।
262. राजू धर्मा, छोटे डुमरपाली – समर्थन। फागुन से पानी नहीं मिल रहा है। अभी तक बोर नहीं बना है। नाला से हमारा निस्तारी हो रहा है। सभी से हमारा निवेदन है कि

नाला में कोयला पानी आयेगा तो हम अपना निस्तारी कहां करेंगे ? पानी की व्यवस्था करने का कष्ट करें।

263. रामशंकर राठौर, खरसिया – कंपनी से लोगों को सुविधा होती है। कंपनी आने से बेरोजगारों को नौकरी मिलेगी। लोगों के घर की व्यवस्था सुधरेगी। लोगों को अच्छा अवसर मिलेगा। शिक्षा का प्रचार प्रसार होगा। लोग पढ़ लिख लेंगे। शिक्षा का विकास होगा।
264. अर्खित चौहान, पामगढ़ – समर्थन।
265. विद्याधर वैष्णव, रजघटा – इंकार है। ये कंपनी यहां नहीं चाहिए।
266. तीजराम, पामगढ़ – जो कंपनी यहां आ रहा है। जितनी जमीन बिक्री किया गया है। जो दलाल हैं उनको बुलाकर पहले पीटा जाये। दलाल लोग धोखा देकर हमारी जमीन को लिया है। हम यहां खेती बाड़ी करेंगे कहकर जमीन खरीदा गया है। और इस जमीन में कंपनी आ रहा है।
267. तीरथ चौहान, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
268. नीलांबर पटेल, नवागांव – विरोध। कंपनी आने पर पानी की समस्या होगी। 2000 फुट गड्डा खोदकर पानी निकाल लेते हैं। कंपनी के आने से बिलकुल पानी नहीं मिलेगा। हमारे गांव नवागांव में 95 प्रतिशत लोग कंपनी का विरोध करते हैं। लोगों को बोलने का हिम्मत नहीं है। दिल से किसी ने समर्थन नहीं किया है केवल स्वार्थ के लिए समर्थन कर रहे हैं। धोखा देकर लोगों से दस्तखत लिया गया है। सरपंच लोग चुपचाप अपना पाकिट गरमकर समर्थन कर दिया है। कंपनी नहीं आना चाहिए।
269. चिरौंजी प्रसाद पटेल, आड़पथरा– समर्थन।
270. दिलीप कुमार पटेल, कुरूभाठा – समर्थन।
271. शशि कुमार पटेल, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
272. गंगाराम पटेल, कुरूभाठा – समर्थन।
273. ललित कुमार चौहान, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
274. भुनेश्वर प्रसाद नागवंशी, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
275. हेमलाल पटेल, छोटे डुमरपाली – समर्थन।
276. राकेश पाण्डेय, रायगढ़ – यह एक छोटा सा कोलवॉशरी है। यह कंपनी स्वास्थ्य, शिक्षा सेवाएं प्रदान करें। गरीब बच्चों को शिक्षा, स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाएं उपलब्ध करवाती हैं एवं हमारी उम्मीदों पर खरा उतरती हैं तो इन शर्तों पर मैं इनका समर्थन करता हूँ।
277. विमल कुमार गर्ग, खरसिया – उद्योग आने से पूरे क्षेत्र का विकास होगा। गांव का निर्माण होगा। सड़क का निर्माण होगा। बिजली की व्यवस्था बढ़ेगी। पानी की व्यवस्था बढ़ेगी। मांड डेम बनने के बावजूद लोगों को पानी नहीं मिलता है। ग्रामीण क्षेत्र की सेवा के लिए ही उद्योग लगाया जाता है। आज हमारे खरसिया क्षेत्र में उद्योग लगेगा तो विकास होगा ही। डॉक्टर की व्यवस्था होगी। एम्बुलेंस होगा। आपातकालीन ट्रीटमेंट की सुविधा मिलेगा। ग्रामीण बच्चों को पढ़ने के लिए खरसियां तक जाना पड़ेता है। काम करने वाले के लिए हिंदुस्तान में काम की कमी नहीं है। सरकारी रेट में मजदूर नहीं मिलते। मजबूरी वश लोगों को बाहर से मजदूर लाना पड़ता है। आज मजदूर काम करना नहीं चाहता। फैक्ट्री लगना ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के विकास के लिए लगना चाहिए। आवागमन से विकास तो होगा। उद्योग का हम स्वागत करते हैं। बड़ी से बड़ी फैक्ट्री आनी चाहिए। क्षेत्र का विकास हो।

278. शशि कुमार डनसेना, छोटे डुमरपाली – समर्थन। छोटे डुमरपाली यहां से 200 मीटर की दूरी पर प्राथ. शाला, आंगन बाड़ी, माध्यमिक शाला प्रदूषण से प्रभावित होंगे। इतनी ही दूरी पर साप्ताहिक बाजार लगता है वह भी प्रभावित होगा। कंपनी आने से सुविधा मिलेगी, बोलते हैं लेकिन सुविधा नहीं मिलती है। बरसात के दिनों में रोड में गड्डे हो गये है। तीन–तीन फुट गड्डे हैं। इसे हमेशा के लिए अच्छा रोड बनाया जाये। गंदा पानी नहीं छोड़ा जाये। छोटे डुमरपाली के बस्तियों को एक भी घर प्रभावित न हो।

279. प्रेमशंकर नागवंशी, छोटे डुमरपाली – छोटे डुमरपाली में 6 से 7 महिना हो गया है बोर नहीं बनाया गया है। कोई स्थापित नहीं होना चाहिए।

280. दिगंबर डनसेना, छोटे डुमरपाली – समर्थन। कंपनी जो कहता है वह करके नहीं दिखाता।

281. सुमीत यादव, बड़े डुमरपाली – समर्थन।

282. रामचरण सिदार, बड़े डुमरपाली – समर्थन।

283. श्याम गुप्ता, खरसिया – समर्थन।

284. गणेश राठौर, ,खरसिया – हार्दिक दिल से समर्थन।

285. जेठू राम नागवंशी, छोटे डुमरपाली – छोटे डुमरपाली बस्ती न उठने पायें। समर्थन।

286. पीतांबर पटेल, चपले – समर्थन।

287. गौरीशंकर श्रीवास, चपले – समर्थन।

288. कुमार लाल डनसेना, बड़े डुमरपाली– ग्रामवासियों को विश्वास दिलाइये कि जो बिगड़े पंप है वहां मिस्त्री पहुंचाकर बनवाकर विश्वास दिलाया जाये। एसईसीएल की साईडिंग के पास ओव्हरब्रिज की व्यवस्था की जाये। कई दुर्घटना होती है। क्षेत्र के विकास के लिए समर्थन करता हूॅ।

289. लीलाधर राठिया, पामगढ़ – समर्थन।

290. अमृतलाल पटेल, छोटे डुमरपाली – बोर/पानी की समस्या को ध्यान दे। समर्थन।

291. राजकुमार पटेल, छोटे डुमरपाली – समर्थन।

292. रविन्द्र पटेल, बोतल्दा – उद्योग पति जो आश्वासन देते हैं उस पर खरा नहीं उतरते। एस.ई.सीएल के कार्यों से गांव वालों पर बहुत पीड़ा है। एसईसीएल की साईडिंग की बांउड्री वाल टूटी है। वृक्षारोपण नहीं किया गया है। छोटे डुमरपाली का आरसीसी रोड की गिट्टी तक नहीं दिख रहा है। एसईसीएल ने इस क्षेत्र की जो दुर्गति किया है उसका ध्यान दिया जाये। उद्योग प्रबंधन किसानों के साथ बैठकर उसकी समस्याओं पर ध्यान दिया जाये। किसानों की जमीन गई है उसको प्राथमिकता देकर उसे रोजगार दिया जाये उसके बाद आसपास के लोगों को रोजगार दिया जाये। गांव के बच्चे कुशल श्रमिक बनकर काम कर सकते हैं।

293. देवराज डनसेना, छोटे डुमरपाली – विरोध। जिस जमीन पर कोल वॉशरी स्थापित की जानी है किस किस भूस्वामी के नाम पर है। भूस्वामियों से नो–ड्यूज लिया गया है कि नहीं ? जिस जमीन की बिक्री नहीं किया गया है वह किसान अपनी जमीन पर कैसे खेती करेगा इसकी क्या व्यवस्था की गई है ? छोटे डुमरपाली के व्यक्तियों को क्या रोजगार मिलेगा ? सरकारी रेट पर क्या जमीन का मुआवजा दिया जायेगा ? आदिवासी जमीन को दलालों द्वारा रजिस्ट्री कराई गई हैं इस पर शासन क्या कार्यवाही करेगी ? नाला प्रदूषण होने से बिमारियां होने से कंपनी क्या सुविधा उपलब्ध करायेगी ? गांव के समीप जो नाला है इससे 8 से 10 गांवों का निस्तारी

होता है। इस नाला में कोयला पानी छोड़ने से कितनी गंदगी एवं बिमारियां होगी। मजदूरों को प्रशिक्षित कर कंपनी में रोजगार प्रदान किया जाये।

294. संतोष बहिदार, रायगढ़ – हरियाणा, राजस्थान, उ.प्र., बिहार , उड़ीसा, पंश्चिम बंगाल से आकर अनेक उद्योगपतियों ने यहां उद्योग लगाये। अनेक लुभावने वादे किया कोई वादा पूरा नहीं किया। आज जिस जनसुनवाई की लोक सुनवाई हो रही है वह रायगढ़ जिले के अंतर्गत है। खेल समिति, युवा समिति, महिला समिति, दुर्गा समिति, रायगढ़ के समस्त समितियों का योगदान कर विकास हुआ। जहां तक इनकी जमीन है ग्राम पंचायत एवं इनके अंतर्गत आने वाली बस्ती कहीं नहीं उजड़ रहे है। कृषि भूमि का उपयोग नहीं कर रहे हैं। टीकरा भूमि का उपयोग कर रहे हैं और इसी की जनसुनवाई हो रही है। इस समूह ने सामाजिक दायित्वों को बखूबी से निभाया है। इस क्षेत्र के आसपास का विकास होगा। सड़क, पानी और छोटे से बड़ी सभी समस्याओं को यह समूह पूरा करेगा। ऐसे समूह रायगढ़ में उद्योग लगाये। रायगढ़ का विकास करें। इसके कर्मचारी अन्य प्रदेश से नहीं आयेंगे यहीं के होंगे। मैं इस समूह के कार्य को जानता हूँ। इसलिए इसका मैं समर्थन करता हूँ। यह क्षेत्र समाज के विकास में पीछे नहीं हटेगा। मैं यह चाहता हूँ कि सभी ग्रामीण इसका समर्थन करें।

295. घटपाल सिदार ग्राम पटेल, छोटे डुमरपाली – हम जमीन तो बेच चुके हैं। हमारे यहां उद्योग बैठेगा तो प्रदूषण होगा। हमे कुछ करना पड़ेगा। मेरा विरोध है।

लोक सुनवाई का कार्यवाही विवरण क्षेत्रीय अधिकारी एवं अतिरिक्त जिलादण्डाधिकारी द्वारा पढ़कर सुनाया गया।

लोक सुनवाई के दौरान जनता द्वारा उठाये गये मुद्दों के संबंध में उद्योग प्रतिनिधि श्री एस.पी. सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी एवं श्री डी. जी. गार्वे, पर्यावरण कन्सलटेंट ने परियोजना के संबंध में बताया कि इस कोल वाशरी से दूषित जल का बाहर निस्सारण नहीं होगा। यह वाशरी जीरो डिस्चार्ज टेक्नीक पर आधारित होगा। भू–जल कंपनी के लिये पर्याप्त नहीं है, मांड नदी से जल लिया जायेगा। समीपस्थ ग्रामों में जल की समस्या नहीं आने दिया जायेगा, इस हेतु उद्योग द्वारा नदी तथा समीप नाले में डेम बनाया जायेगा। लोगों को रोजगार उपलब्ध कराया जायेगा सामुदायिक विकास हेतु कार्य किये जायेगें। डस्ट, वाशरी प्लांट के बांउण्ड्री के अन्दर ही रहेगा। प्लांटेशन किया जायेगा। लोक सुनवाई के दौरान उठाये गये समस्त बिंदुओं पर बिन्दुवार अपना पक्ष रखा।

सुनवाई के दौरान कई लोगों द्वारा लिखित अभ्यावेदन भी प्रस्तुत किया गया। संपूर्ण लोक सुनवाई की वीडियोग्राफी की गई ।

अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी द्वारा सायं 4.15 बजे उपस्थित लोगों के सुझाव, आपत्ति, टीका–टिप्पणी पर कंपनी प्रतिनिधि की ओर से जवाब आने के पश्चात् लोक सुनवाई के समाप्ति की घोषणा की गई।

(जे. लकड़ा)
क्षेत्रीय अधिकारी
छ.ग. पर्यावरण संरक्षण मंडल, रायगढ़

(एस. के. शर्मा)
अपर कलेक्टर एवं अतिरिक्त जिला दण्डाधिकारी
जिला–रायगढ़ (छ.ग.)